तेजयुग न्यूज देश
www.tejyug.com
epaper.tejyug.com

संक्षिप्त समाचार

जेएनयू में 22 को स्टूडेंट यूनियन के लिए मतदान होगा और 24 मार्च को घोषित होंगे नतीजे

नईदिल्ली, एजेंसी। लोकसभा चुनाव से पहले दिल्ली में एक और सियासी जंग का ऐलान हो गया है। दिल्ली के जवाहर लाल यूनिवर्सिटी (जेएनयू) में इसी महीने चुनाव होने जा रहा है। जेएनयू में 22 मार्च को स्टूडेंट यूनियन के लिए मतदान होगा और 24 मार्च को नतीजे घोषित किए जाएंगे।जेएनयू में चार साल बाद छात्रसंघ का चुनाव होने जा रहा है। जेएनयू के छात्रसंघ चुनाव पर सिर्फ कैंपस नहीं बल्कि इससे बाहर के लोगों की भी खास दिलचस्पी रहती है। वामपंथ का गढ़ कहे जाने वाले जेएनयू में पिछले कुछ सालों में भाजपा के छात्र संगठन एबीवीपी की मजबूती से यहां मुकाबला रोचक हो गया है। पिछला जेएनयूएसयू चुनाव 2019 में हुआ था। कोविड-19 महामारी के समय से विश्वविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव स्थगित था। जेएनयू में 2019 के छात्रसंघ चुनाव में वामपंथी छात्र संगठनों एसएफआई, आईसा, एआईएसएफ और डीएसएफ के संयुक्त मोर्चे ने शानदार जीत दर्ज की थी। आइशी घोष एबीवीपी के प्रत्याशी को हराकर छात्रसंघ की अध्यक्ष बनी थीं। वोटर लिस्ट 11 मार्च 2024 को प्रदर्शित किया जाएगा। वोटर लिस्ट में आपत्ति के बाद सुधार का काम 12 मार्च को होगा। गुरुवार को 2 से पांच बजे तक नॉमिनेशन फॉर्म भरे जाएंगे। 15 मार्च को सुबह 9:30 से शाम 5 बजे तक नामांकन दाखिल किए जाएंगे। शनिवार को स्वीकार गिए गए नामांकन को प्रदर्शन किया जाएगा। उसी दिन 10 बजे से एक बजे तक नामांकन वापस लिए जा सकते हैं। शनिवार को तीन बजे उम्मीदवारों की फाइनल लिस्ट सामने आएगी।

बंगाल के बाहर भी ममता बनर्जी देंगी, आईएनडीआईए गठबंधन को टेंशन, उप्र समेत कई राज्यों में उतारेंगी उम्मीदवार

कोलकाता, एजेंसी। कांग्रेस के साथ बातचीत की अटकलों के बीच पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए को बड़ा झटका दे दिया। उन्होंने सभी 42 सीटों पर टीएमसी यानी तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवारों का नाम घोषित कर दिया है। खास बात है कि अब पार्टी सुप्रीमो बनर्जी सिर्फ बंगाल ही नहीं, अन्य राज्यों में भी उम्मीदवार उतारने की तैयारी में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, राजधानी कोलकाता के ब्रिगेड पार्क में उन्होंने लिस्ट जारी की। साथ ही कहा, हमारी पार्टी पश्चिम बंगाल के बाहर भी लड़ेगी। हम मेघालय और उत्तर प्रदेश में भी उम्मीदवार उतारेंगे। खास बात है कि कांग्रेस के बंगाल अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी के गढ़ माने जाने वाले ब्रह्मपुर से टीएमसी ने पूर्व क्रिकेटर यूसुफ पठान को मैदान में उतारा है। कार्यक्रम के दौरान सीएम बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी की अगुवाई वाली केंद्र सरकार पर भी हमले किए। उन्होंने केंद्र सरकार पर फंड्स नहीं देने, मणिपुर मुद्दे को लेकर आरोप लगाए। साथ ही कहा कि सीएए यानी नागरिकता संशोधन कानून बंगाल में लागू नहीं होने देंगी। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने कहा, चुनाव से पहले वो कहते थे कि सीएए लागू किया जाएगा, लेकिन सीएए या एनआरसीलागू नहीं होने देंगे। खास बात है कि इस दौरान उन्होंने संदेशखाली की घटनाओं का जिक्र नहीं किया। हालांकि, उम्मीदवारों की सूची में उन्होंने बशीरहाट क्षेत्र से सांसद रहीं अभिनेत्री नुसरत जहां का टिकट काट दिया और हाजी नुरूल इस्लाम को प्रत्याशी बनाया। यह सीट संदेशखाली में आती है। ताजा लिस्ट में टीएमसी ने पांच सांसदों के नाम काटे हैं। इनमें जहां के अलावा मिमी चक्रवर्ती और सांसद अर्जुन सिंह का भी नाम शामिल है। खास बात है कि सिंह पहले भाजपा में शामिल हो गए थे, लेकिन बीते साल ही उन्होंने टीएमसी में वापसी की है।

पश्चिम बंगाल में बिष्णुपुर सीट पर पूर्व पति-पत्नी के बीच रोचक मुकाबला

कोलकाता/ बांकुरा, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में आगामी लोकसभा चुनाव के दौरान तलाकशुदा जोड़े का आमना-सामना होने वाला है। राज्य में बनी इस तरह की स्थिति को लेकर काफी चर्चा हो रही है। तृणमूल कांग्रेस ने सुजाता मंडल को बांकुरा जिले की बिष्णुपुर सीट से टिकट दिया है, जो अपने पूर्व पति और भाजपा उम्मीदवार सौमित्र खान के खिलाफ चुनाव लड़ेंगी। अब टीएमसी ने रविवार को उसी सीट से मंडल के नाम का ऐलान कर दिया। साल 2021 में पश्चिम बंगाल में पिछला विधानसभा चुनाव हुआ। इससे पहले ही सौमित्र खान और सुजाता मंडल में अलगाव हो गया। वैसे यह सीट तृणमूल ने जीत ली थी। खान की पत्नी जब अस्थ सदस्य तौर पर राजनीति में शामिल हुईं तभी उन्होंने कैमरे के सामने तलाक की घोषणा कर दी। सौमित्र की गिनती बिष्णुपुर के वरिष्ठ नेताओं में होती है। 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले वह तृणमूल से भाजपा में शामिल हो गए थे।

खट्टर सरकार ने पिछले 10 सालों में हरियाणा को बर्बाद कर दिया : केजरीवाल

कुरुक्षेत्र, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) ने लोकसभा चुनाव 2024 के लिए दिल्ली के बाद हरियाणा में भी अपने चुनावी कैंपेन की शुरुआत कर दी है। आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने रविवार को कुरुक्षेत्र की जनसभा में महाभारत का जिक्र करते हुए इस सियासी जंग को धर्मयुद्ध करार दिया। केजरीवाल ने कहा कि उनकी पार्टी के साथ धर्म है। उन्होंने लोगों से यह तय करने को कहा कि वे धर्म के साथ हैं या अधर्म के साथ हैं। केजरीवाल ने कहा कि आज देश में दो किस्म के लोग हैं - देशभक्त या अंधभक्त। जितने देशभक्त हैं वो हमारे साथ आ जाओ और जितने अंधभक्त हैं वो उनके साथ चले जाओ। आप और कांग्रेस गठबंधन के तहत हरियाणा में लोकसभा चुनाव लड़ रही हैं। सीट शेयरिंग के तहत, आप हरियाणा की कुल 10 संसदीय सीटों में से एकमात्र कुरुक्षेत्र सीट पर चुनाव लड़ेगी। रविवार को कुरुक्षेत्र लोकसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करते हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री ने लोगों से इस सीट से आप के उम्मीदवार सुशील गुप्ता को वोट देने का आग्रह किया।

खट्टर सरकार ने पिछले 10 सालों में हरियाणा को बर्बाद कर दिया : केजरीवाल ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछले 10 सालों में मनोहर लाल खट्टर के नेतृत्व वाली सरकार ने

हरियाणा को बर्बाद कर दिया है। उन्होंने कहा कि अब, हर कोई चाहता है कि खट्टर सरकार जाए। कुरुक्षेत्र सीट पर आप की जीत सुनिश्चित करें...आगे खट्टर की सरकार जाने की खबर आएगी।

कुरुक्षेत्र में केजरीवाल ने कहा- भगवान कृष्ण हमारे साथ हैं : केजरीवाल ने जनसभा को संबोधित करते हुए 'महाभारत' का जिक्र किया और कहा कि कुरुक्षेत्र एक पवित्र भूमि है जहां धर्मयुद्ध लड़ा गया था। उन्होंने कहा कि कौरवों के पास सब कुछ होने के बावजूद' पांडवों की जीत हुई थी। उन्होंने कहा कि पांडवों के पास क्या था भगवान श्री कृष्ण उनके साथ थे। केजरीवाल ने कहा कि आज हमारे पास क्या है। हम बहुत छोटे हैं। भगवान श्री कृष्ण हमारे साथ हैं। भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार का जिक्र करते हुए केजरीवाल ने कहा, ''उनके पास सब कुछ है। उनके पास सभी शक्तियां हैं। उनके पास आईबी, सीबीआई, ईडी है।

यह धर्म और अधर्म की लड़ाई है : केजरीवाल ने उपस्थित लोगों से कहा कि हमारा धर्म हमारे साथ है। यह धर्म और अधर्म की लड़ाई है और आपको यह तय करना होगा कि आप धर्म के साथ हैं या अधर्म के साथ। उन्होंने कहा कि भाजपा दावा कर रही है कि वह लोकसभा चुनाव में 370 सीट जीतने जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे खुलेआम कह रहे हैं कि उन्हें आपके वोट की जरूरत नहीं है। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में दो तरह के लोग हैं। उन्होंने कहा कि एक देशभक्त हैं और दूसरा अंधभक्त हैं। उन्होंने कहा, ''जो देशभक्त हैं वे मेरे साथ आएं...हमें अंधभक्त की जरूरत नहीं है।

भाजपा को आपके वोट की जरूरत नहीं है : केजरीवाल ने कहा कि मैं दिल्ली से हाथ जोड़कर आपसे वोट मांगने आया हूं। सुशील गुप्ता आपका वोट मांगने के लिए घर-घर जा रहे हैं। हमें चुनाव जीतने के लिए आपके वोट की जरूरत है। उन्हें (भाजपा को) आपके वोट की जरूरत नहीं है। केजरीवाल ने हरियाणा के भाजपा सांसदों की आलोचना करते हुए दावा किया कि उन्होंने राज्य के लोगों के लिए कभी कुछ नहीं किया। केजरीवाल ने कहा कि आप पिछले दो लोकसभा चुनावों से सभी 10 सीटें भाजपा को दे रहे हैं। मैं आपसे पूछना चाहता हूं कि इन 10 सांसदों ने पिछले 10 साल में आपके लिए क्या किया। एक काम बताओ जो उन्होंने किया...उन्होंने कुछ नहीं किया। उन्होंने सवाल किया कि वे आपके सांसद नहीं हैं। वे भाजपा सांसद हैं। वे भाजपा के गुलाम हैं। जब आपने पिछले 10 वर्षों में इतनी सारी समस्याओं का सामना किया, तो वे कहां थे। उन्होंने हरियाणा के पहलवानों का मुद्दा भी उठाया, जिन्होंने पिछले साल महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न के आरोप में तत्कालीन भारतीय कुश्ती महासंघ प्रमुख के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था। मैंने जंतर-मंतर पर उनका समर्थन किया। केजरीवाल ने कहा कि आपके 10 सांसद कहां थे जब आपकी बेटियों को परेशान किया गया तो वे तालियां बजा रहे थे। उन्होंने किसानों को दिल्ली की ओर जाने से रोकने के लिए केंद्र और हरियाणा सरकार की आलोचना की। केजरीवाल ने पंजाब और हरियाणा की शंभू और खनौरी सीमाओं पर किसानों के आंदोलन का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी गलती क्या है वे सिर्फ अपनी फसल के लिए कीमत एमएसपी मांग रहे हैं।

चुनाव से पहले उद्धव ठाकरे गुट को एक और झटका विधायक रविंद्र वायकर ने भी छोड़ा साथ

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना (यूबीटी) विधायक रविंद्र वायकर रविवार को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए। वायकर ने ऐसे समय पार्टी बदली है जब प्रवर्तन निदेशालय उनके खिलाफ जांच कर रहा है। एक लक्जरी होटल बनाने के लिए बृहन्मुंबई महानगरपालिका) के भूखंड के कथित दुरुपयोग का यह मामला है। जोगेश्वरी क्षेत्र से विधायक वायकर का साथ छोड़ना शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे के लिए झटका है, क्योंकि वायकर उनके करीबी सहयोगी थे। वह एक दिन पहले ही मुंबई उत्तर-पश्चिम संसदीय सीट पर उनके साथ बैठक में मौजूद थे। रविंद्र वायकर मालाबार हिल में मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास वर्षा में शिंदे के नेतृत्व वाले समूह में शामिल हुए। वायकर बीएमसी के पूर्व स्थायी समिति अध्यक्ष, 4 बार पार्षद और चार बार जोगेश्वरी से विधायक रहे हैं। खेल और मनोरंजन उद्देश्यों के लिए निर्धारित जोगेश्वरी-विक्रोली लिंक रोड के किनारे भूखंड पर लक्जरी होटल निर्माण को लेकर वायकर घिरे हुए थे। जनवरी और जुलाई 2021 के बीच बीएमसी को गुमराह करने व धोखाधड़ी से अनुमति प्राप्त करने का आरोप है। इसे लेकर दर्ज मामले में ईडी की ओर से उनकी जांच की जा रही है। प्राथमिकी के अनुसार, भूखंड वायकर और अन्य को सार्वजनिक उपयोग के लिए आवंटित किया गया था, लेकिन उन्होंने कथित तौर पर कई करोड़ रुपये कमाने के लिए इसका व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किया। मुख्यमंत्री के गुट में शामिल होने के बाद वायकर ने दावा किया कि उन्होंने 50 वर्षों तक शिवसेना में काम किया है। उन्होंने कहा, मैंने अपने निर्वाचन क्षेत्र के विकास के लिए पाला बदला है, जहां सड़कों और पानी की आपूर्ति की जरूरत है। जहां कई काम कोविड-19 महामारी के कारण रुके हुए थे। वायकर ने कहा कि शिंदे विकास कार्यों पर तेजी से फैसले ले रहे हैं। अगर ये काम पूरे नहीं हुए, तो मैं अपने लोगों का सामना नहीं कर पाऊंगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वायकर दिवंगत बाल ठाकरे के आदर्शों से प्रेरित होकर शिवसेना में शामिल हुए हैं।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री की जनसभा में एक शख्स की मौत, पुलिस का भगदड़ के दावे से इनकार

बापटला, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के बापटला जिले में रविवार को युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी प्रमुख व राज्य के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी की एक चुनावी जनसभा हुई। इस दौरान एक व्यक्ति की संभवतः शरीर में पानी की कमी होने से मौत हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने रेड्डी की जनसभा में भगदड़ मचने और इससे उस व्यक्ति की मौत होने के आरोपों को खारिज कर दिया। पुलिस ने कहा कि मृतक की पहचान मुरली कृष्ण के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि व्यक्ति को रैली स्थल से एंबुलेंस के जरिए अस्पताल भेजा गया, लेकिन एंबुलेंस के अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई थी।

पुलिस अधिकारी ने न्यूज एजेंसी पीटीआई ने बताया, वहां कोई भगदड़ नहीं मची थी। वह (मुरली कृष्ण) नशे की हालत में था। हमें संदेह है कि उसकी मृत्यु गर्मी के मौसम के कारण पेट से जुड़ी समस्या से या शरीर में पानी की कमी होने के चलते हो गई होगी। पुलिस ने कहा कि यह नहीं पता कि जनसभा के दौरान मुरली कृष्ण कहां खड़ा था। अधिकारी ने कहा कि वहां कोई भगदड़ नहीं मची थी, मैं इसकी पुष्टि कर सकता हूं। दरअसल, मुरली की मौत के बाद इस तरह की बातें सामने आ रही थीं कि भगदड़ के चलते यह घटना हुई।

भाजपा नेता मनप्रीत बादल को हार्ट अटैक, अस्पताल में भर्ती; नाजुक बनी हुई है हालत

बठिंडा, एजेंसी। पंजाब के पूर्व वित्त मंत्री और भाजपा नेता मनप्रीत सिंह बादल को हार्ट अटैक होने के बाद उन्हें बठिंडा के निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। डॉक्टरों ने उन्हें 2 स्टंट डाले हैं। उनकी हालत नाजुक बनी हुई और वह आईसीयू वार्ड में दाखिल हैं। मनप्रीत बादल की तबीयत बिगड़ने की सूचना मिलने के बाद उनके समर्थकों का अस्पताल के बाहर तांता लगा हुआ है। डॉक्टरों का कहना है कि दो स्टंट डाले गए हैं। मनप्रीत बादल जल्द ही पूरी तरह से स्वास्थ्य हो जाएंगे।

आज पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय प्रकाश सिंह बादल की पहली बरसी थी। इसके लिए गांव बादल में समागम रखा गया था, जिसमें मनप्रीत बादल को भी शामिल होना था, लेकिन अचानक उनके सीने में दर्द होने लगा। उन्हें चेकअप के

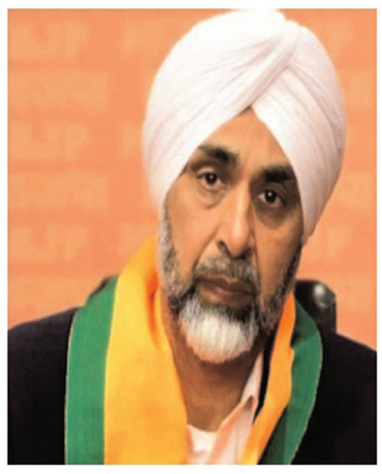

लिए बठिंडा के एक निजी अस्पताल में लाया गया। चेकअप करने पर पता चला कि उनकी हालत गंभीर है और उन्हें दिल का दौरा पड़ा है। मनप्रीत बादल का इलाज करने वाले जिंदल हार्ट अस्पताल के डॉ. राजेश जिंदल ने बताया कि मनप्रीत बादल को बीती रात को भी सीने में दर्द हुआ था और रविवार सुबह भी दर्द हुआ था। उनकी ईसीजी और एंजोग्राफी की गई तो ब्लॉकेज की समस्या सामने आई। 2 स्टंट डालकर नाड़ी को खोल दिया गया है। डॉ. जिंदल ने बताया कि उन्हें 48 घंटे के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी।

चचेरे भाई का हाल जानने पहुंचे सुखबीर बादल : मनप्रीत बादल को दिल का दौरा पड़ने की जानकारी मिलने के बाद उनके चचेरे भाई व पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर बादल अस्पताल पहुंचे। उनके साथ पूर्व मंत्री सिकंदर सिंह मलूका के अलावा शिअद पार्टी सीनियर लीडरशिप मौजूद थी। सुखबीर बादल ने मनप्रीत बादल से मिलकर उनका हालचाल जाना।

लैंड अलॉटमेंट के केस में चल रही जांच : मनप्रीत बादल पर विजिलेंस ब्यूरो ने लैंड अलॉटमेंट के केस में फॉड का केस दर्ज किया है। मनप्रीत के अलावा इस मामले में 5 और आरोपियों को नामजद किया था।

उन पर आरोप है कि वित्त मंत्री रहते हुए उन्होंने अपने पद का दुरुपयोग कर मॉडल टाउन बठिंडा में कम दाम पर 2 प्लॉट खरीदे। इसमें सरकार का करीब 65 लाख रुपए का वित्तीय नुकसान हुआ। पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने मनप्रीत सिंह बादल और अन्य के खिलाफ अपराध और भ्रष्टाचार का केस दर्ज किया था। मनप्रीत बादल पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट से अग्रिम जमानत लेने में बेशक सफल हो गए थे लेकिन अब भी विजीलेंस जांच जारी है।

सांसद अनंत कुमार हेगड़े के संविधान संशोधन वाले बयान से भाजपा ने किया किनारा, जवाब भी मांगा

बेंगलुरु, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को संविधान में संशोधन पर पार्टी सांसद अनंत कुमार हेगड़े की टिप्पणी से उपजे विवाद को खत्म करने की कोशिश करते हुए इसे उनका व्यक्तिगत विचार बताया और उनसे स्पष्टीकरण मांगा। कर्नाटक के सांसद की टिप्पणी को लेकर विपक्ष द्वारा सत्तारूढ़ दल पर निशाना साधने के बीच पार्टी प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि भाजपा ने हमेशा संवैधानिक लोकाचार और राष्ट्रीय हित के अनुरूप काम किया है।

भाजपा की कर्नाटक इकाई ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''संविधान पर सांसद अनंत कुमार हेगड़े की टिप्पणी उनके निजी विचार हैं और पार्टी के रुख को प्रतिबिंबित नहीं करती है। भाजपा देश के संविधान को बनाए रखने के लिए अपनी अटूट प्रतिबद्धता दोहराती है और हेगड़े से उनकी टिप्पणी के संबंध में स्पष्टीकरण मांगेगी।''

कांग्रेस ने भाजपा सांसद हेगड़े के बयान के बाद आरोप लगाया कि संविधान को 'फिर से लिखना और नष्ट करना÷ भाजपा और आरएसएस का एजेंडा है। हेगड़े ने कहा

कि भाजपा को संविधान में संशोधन करने के लिए और ''कांग्रेस द्वारा इसमें जोड़ी गई अनावश्यक चीजों को हटाने के लिए'' संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा में दो-तिहाई बहुमत की जरूरत होगी। कर्नाटक से छह बार के लोकसभा सदस्य हेगड़े ने कहा, ''अगर संविधान में संशोधन करना है, कांग्रेस ने संविधान में अनावश्यक चीजों को जबरदस्ती भरकर, विशेष रूप से ऐसे कानून लाकर, जिनका उद्देश्य हिंदू समाज को दबाना था, संविधान को मूल रूप से विकृत कर दिया है - यदि यह सब बदलना है, तो यह इस (वर्तमान) बहुमत के साथ संभव नहीं है।''

हेगड़े के आज दिए बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डी के शिवकुमार ने कहा कि यह दिखाता है कि भाजपा ''संविधान विरोधी'' है। उन्होंने पत्रकारों से कहा, ''उन्हें ऐसा करने दें, संविधान में संशोधन करें... इससे पता चलता है कि (केंद्र की) भाजपा सरकार और भाजपा सांसद (संविधान निर्माता) बाबासाहेब आंबेडकर के दिए संविधान के खिलाफ हैं।

यूपी एमएलसी चुनाव, बीजेपी और सहयोगी दल के उम्मीदवारों ने भरा पर्चा, सुभासपा ने बिच्छेलाल राजभर को दिया टिकट

लखनउ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश विधान परिषद की 13 सीटों पर चुनाव होने वाले हैं। 11 मार्च आज नामांकन का आखिरी दिन है। एमएलसी चुनाव के लिए बीजेपी के सात प्रत्याशी समेत एनडीए के अन्य प्रत्याशी ने भी आज नामांकन पत्र भरे। नामांकन की प्रक्रिया सुबह 11 बजे से शुरू हो गई। बीजेपी के प्रत्याशियों के साथ सीएम योगी डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक, बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी सहित सरकार के अन्य महत्वपूर्ण लोग शामिल हैं। साथ ही सहयोगी दल के प्रत्याशियों ने भी नामांकन भरे।

बीजेपी ने इससे पहले अपने 7 प्रत्याशियों के नाम घोषित किए थे। बीजेपी के प्रत्याशियों का नाम- मोहित बेनीवाल, डा. महेंद्र कुमार सिंह, अशोक कटारिया, धर्मेंद्र सिंह, विजय बहादुर पाठक, रामतीरथ सिंघल और संतोष सिंह हैं। तय समय के मुताबिक सभी प्रत्याशी सुबह दस बजे पार्टी मुख्यालय पहुंचे, जहां पहले उनका स्वागत किया गया, जिसके बाद ये सभी एकसाथ विधानभवन पहुंचे जहां सभी प्रत्याशियों ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। बता दें कि 7 बीजेपी प्रत्याशियों के साथ ही 3 सहयोगी दलों के प्रत्याशी हैं। इसमें राष्ट्रीय लोकदल को एक सीट, अपना दल सोनेलाल को एक सीट और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी को भी सीट मिली है।

लाखों किसानों को मिलेगी फ्री बिजली और सरचार्ज में भारी छूट, करना होगा ये काम

अपना दल सोनेलाल की ओर से पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष आशीष पटेल को टिकट दिया गया। यूपी में

विधान परिषद के लिए सुभासपा ने मऊ के बिच्छेलाल राजभर को टिकट दिया। बीजेपी ने सुभासपा को एमएलसी की एक सीट दी है। जिसपर सुभासपा ने अपने पुराने कार्यकर्ता को मौका दिया है। बिच्छेलाल राजभर सुभासपा की स्थापना से पार्टी के सक्रिय सदस्य हैं। बिच्छेलाल को पार्टी ने जुलाई 2022 में पूर्वांचल मुख्य कमेटी का प्रदेश अध्यक्ष बनाया था। 12 मार्च को नामांकन पत्रों की जांच होगी जबकि नाम वापसी की आखिरी तारीख 14 मार्च हैं। 13 विधान परिषद सीटों पर 21 मार्च को वोटिंग होनी है।

क्या खत्म होगा रायपुर लोकसभा से कांग्रेस की जीत का इंतजार बृजमोहन के नए रिकॉर्ड को क्या रोक पाएगा विकास

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में बढ़ रही गर्मी राजनितिक गलियारों पर अपना असर दिखाना शुरू कर दी है। लोकसभा चुनाव में आचार संहिता लागू होने के ठीक पहले रायपुर लोकसभा सीट पर कांग्रेस और भाजपा दोनों ही दलों ने अपने प्रत्याशियों का नाम जनता के बीच ला दिया है। अब जनता को पूरा वक्त मिल रहा है यह तय करने के लिए की रायपुर लोकसभा का विकास राजनीति में कभी हार का मुंह ना देखने वाले शांत और भाजपा के वरिष्ठ नेता बृजमोहन अग्रवाल से कराना है, या फिर कांग्रेस के आंदोलनकारी युवा तेज तर्रार नेता विकाय उपाध्याय के हाथों पर देना है। अब आपको बताते हैं रायपुर लोकसभा के सियासी गणित और चुनावी इतिहास के बारे में।

रायपुर लोकसभा सीट जो कि छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के बनने से पहले अस्तित्व में आ चुकी थी। शुरू से ही रायपुर की धमक से दिल्ली हिल जाया करती थी। रायपुर लोकसभा क्षेत्र जहां से विद्याचरण शुक्ल, पुरुषोत्तम लाल कौशिक और रमेश बैस जैसे दिग्गज नेता दिल्ली में रायपुर की जनता की आवाज को बुलंद करते थे। साल 1952 से लेकर साल 1971 तक लगातार रायपुर लोकसभा सीट कांग्रेस के कब्जे में रही है। लेकिन आपातकाल का वह दौर जब बदला तब 1981 से

साल 1989 के लोकसभा चुनाव को अगर छोड़ दिया जाए, तो रायपुर लोकसभा सीट भाजपा अब कभी नहीं हारी है। साल से 1996 में भारतीय

जनता पार्टी से चुनाव लड़ने वाले रमेश बैस पहली बार लोकसभा पहुंचे थे। उसके बाद 1998, 1999, 2004, 2009 और 2014 तक वह लगातार लोकसभा का चुनाव जीतते हुए लगातार 23 साल तक सांसद बने रहे। पिछले छह बार से कांग्रेस पार्टी कई बड़े-बड़े दिक्कत चेहरों को चुनाव के मैदान में उतर कर भाजपा की जीत के क्रम को तोड़ने में लगी हुई है। लेकिन सफल नहीं हो पा रही है। साल 1996 में रमेश बैस ने विद्याचरण शुक्ल के भाई श्यामचरण शुक्ला को चुनाव में हराया था। साल 2009 के लोकसभा के चुनाव में छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी रायपुर लोकसभा का चुनाव रमेश बैस से हार चुके हैं। साल 2019 के लोकसभा चुनाव में क्या थे परिणाम हमेशा से चर्चा में रहने वाली रायपुर लोकसभा सीट जहां साल 2019 के चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने भाजपा के जीत के सिलसिले को तोड़ने के लिए प्रमोद दुबे को चुनाव के मैदान में उतारा था। वही रायपुर लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी ने इस बार नए चेहरे के रूप में सुनील सोनी पर भरोसा जताया था। 2019 का लोकसभा का चुनाव और मोदी की लहर काफी चर्चा में रही थी। नतीजा यह हुआ कि रायपुर लोकसभा सीट से भाजपा के सुनील सोनी ने कांग्रेस के प्रमोद दुबे को 3 लाख 48 हजार 238 वोटो से हराया था। हालांकि रायपुर के लिए यह जीत कोई पहली बड़ी जीत नहीं थी। इस सीट से इससे पहले भी कई बार रमेश बैस लाखों का आकड़ा पार कर चुके थे।